ज्ञानदीप

अंक 109

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
आई.एस.ओ. : 9001–2015 प्रमाणित
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)
ISO-9001-2015 Certified

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 26123436 रेलवे : 62731
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, मो 7420041134 रेलवे : 62101, 62158
फैक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 28 | ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन | To Beam as a Beacon of Knowledge | जुलाई–सितंबर 2025

इस अंक में

1. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन
2. इंजीनियर दिवस का आयोजन
3. मुख्य कारखाना प्रबंधक का सेमिनार
4. स्वतंत्रता दिवस का आयोजन
5. स्वच्छता ही सेवा अभियान
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 165वीं बैठक
7. राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम
8. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
9. स्वागत एवं विदाई
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

ज्ञानदीप 25 वर्ष रजत जयंती वर्ष 1997-2022

1. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे में दिनांक 15 से 19 सितंबर, 2025 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 15 सितंबर, 2025 को श्री विजय कुमार पंजियार महानिदेशक द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर राजभाषा सप्ताह का विधिवत उदघाटन किया गया। इस अवसर पर 'मेरे सपनों की भाषा हिंदी' नामक प्रेरक लघु फिल्म दर्शायी गई। संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी कविताओं का पाठ और हिंदी गीत–संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। श्री विजय कुमार पंजियार महानिदेशक, श्री विनोद कुमार अपर महानिदेशक इरिसेन और श्री अतुल देशपांडे उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ 2 के भाषण हुए।

सप्ताह के दौरान संस्थान पर टेबल ट्रेनिंग, हिंदी कार्यशाला और



प्रश्नमंच जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समापन समारोह के अवसर पर संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी हास्य–व्यंग्य कविताओं का प्रस्तुतिकरण किया गया, और 'मुस्सदीलाल की रेल यात्रा' नामक हिंदी हास्य नाटिका का मंचन किया गया। श्री आर. एन. गुप्ता वरिष्ठ प्राध्यापक पुल 1 के कर–कमलों से संस्थान पर आयोजित



हिंदी निबंध, वाक्, आलेखन एवं टिप्पण आदि प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्तिपत्र एवं नकद

संरक्षक
विजय कुमार पंजियार
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
अतुल देशपांडे
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, रेलपथ – 2

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात श्री आर.एन.गुप्ता वरिष्ठ प्राध्यापक पुल 1 और श्री अतुल देशपांडे उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ 2 के भाषण हुए। श्री आर. एन. गुप्ता ने सप्ताह के सफल आयोजन की प्रशंसा करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए योगदान देने हेतु उत्साहवर्धन किया।

2. 'इंजीनियर दिवस' का आयोजन



दिनांक 15 सितंबर, 2025 को संस्थान पर इंजीनियर दिवस का आयोजन किया गया। श्री विजय कुमार पंजियार, महानिदेशक द्वारा भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारीगणों द्वारा भी प्रतिमा पर पुष्पार्पण कर अभिवादन किया गया।

3. मुख्य कारखाना प्रबंधक का सेमिनार

दि. 25 जुलाई, 2025 को संस्थान पर श्री विजय कुमार पंजियार महानिदेशक इरिसेन की अध्यक्षता में पहली बार मुख्य कारखाना प्रबंधक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री रविंद्र कुमार गोयल, प्रधान कार्यकारी निदेशक (पुल) रेलवे बोर्ड, श्री सुरेश कुमार सप्रा प्रधान कार्यकारी निदेशक (इन्फ्रा–II) आरडीएसओ तथा आरडीएसओ, क्षेत्रीय रेल ईडब्ल्यूएस बीडब्ल्यूएस के मुख्य कारखाना प्रबंधकों और इरिसेन के संकाय सदस्यों ने सेमिनार में हिस्सा लिया।



इस अवसर पर महानिदेशक इरिसेन ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। अपने भाषण में उन्होंने फैब्रिकेशन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बातों पर प्रकाश डाला और निर्माण गतिविधियों तथा निरीक्षण इकाइयों से संबंधित पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने के लिए इरिसेन द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में बताया। श्री रविंद्र कुमार गोयल, प्रधान कार्यकारी निदेशक (पुल) रेलवे बोर्ड ने अपने भाषण कहा कि सिविल इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए योजना, डिजाइन, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं गुणवत्ता आदि पांच महत्वपूर्ण पहलू हैं। इंजीनियर को सम्मान और मान्यता प्राप्त करने के लिए अपनी मूल व्यावसायिक योग्यता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सेमिनार में फैब्रिकेशन वर्कशॉप, निरीक्षण करने वाली एजेंसियों की वर्तमान स्थिति और फैब्रिकेशन संबंधी कमियों से उत्पन्न होने वाले मुद्दों की भी समीक्षा की गई। सेमिनार के कार्यसूची की मदों के अलावा, आरडीएसओ, इरिसेन और इंडस्ट्रीज द्वारा प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए गए। सेमिनार का संचालन श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक पुल 1 ने किया। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा के लिए भेजे गए।

4. संस्थान में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन



संस्थान में दिनांक 15 अगस्त, 2025 को 'स्वतंत्रता दिवस' का आयोजन किया गया। श्री विजय कुमार पंजियार, महानिदेशक ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत महानिदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। तदुपरांत खेल प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों के साथ–साथ दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन हुआ।

5. स्वच्छता ही सेवा अभियान



रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दिनांक 01 अगस्त, 2025 से 15 अगस्त, 2025 तक संस्थान एवं एसएसटीडब्ल्यू में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनांक 01 अगस्त, 2025 को श्री विजय कुमार पंजियार महानिदेशक महोदय ने संकाय सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारीगण और प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी और संस्थान पर स्वच्छता अभियान का प्रारंभ किया गया। इसी श्रृंखला में रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दिनांक 16 अगस्त, 2025 से 31 अक्तूबर, 2025 तक संस्थान पर ''स्वच्छता ही सेवा अभियान'' का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर दिनांक 17 सितंबर, 2025 को श्री विजय कुमार पंजियार महानिदेशक ने संकाय सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारीगण और प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 165वीं बैठक

संस्थान में दिनांक 28 जुलाई, 2025 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 165वीं बैठक का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार, अपर महानिदेशक जी ने कहा कि हिंदी भारत की मूल है और यह भाषा संस्कृति और संस्कारों की पहचान हैं। विश्व की सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषाओं में हिंदी का दूसरा स्थान है। हिंदी को सभी प्रकार से संपन्न और प्रतिष्ठित करना ही हमारा पावन लक्ष्य है। संस्थान ने संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप–समिति द्वारा दिए गए आश्वासनों को पूरा कर लिया गया है और रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को भेज दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि संस्थान पर हिंदी प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया, सभी प्रतिभागी धन्यवाद के पात्र हैं।



श्री अतुल देशपांडे उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ 2 ने कहा कि हिंदी भाषा केवल संवाद का साधन नहीं है बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक गरिमा एवं पहचान का प्रतीक है। राष्ट्र के विकास के लिए भाषा शक्ति का आधार का काम करती है। देश की सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति में उस देश की भाषा क अहम योगदान होता है। हमें हिंदी को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा के नियमों का अनुपालन करते रहना चाहिए और सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए।

7. राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम

राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत माह जुलाई और अगस्त, 2025 में संस्थान पर आयोजित कर्मयोगी प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण के 04 पाठ्यक्रमों में विभिन्न रेलों के 49 राजपत्रित अधिकारियों और 54 पर्यवेक्षकों (अराजपत्रित) को 'कर्मयोगी प्रशिक्षक' के रूप में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इन पाठ्यक्रमों का आयोजन पाठ्यक्रम निदेशक श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक/पुल–1 एवं श्री सिवाकुमार ए. प्राध्यापक/कार्य तथा सह पाठ्यक्रम निदेशक श्री जे. एम. पाटेकरी सहायक प्राध्यापक रेलपथ–1 द्वारा किया गया।



इसी श्रृंखला में संस्थान पर माह जुलाई और अगस्त, 2025 में आयोजित ''एक दिवसीय राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम'' के 02 पाठ्यक्रमों में संस्थान के कुल 45 अधिकारी एवं कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। इन पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम निदेशक श्री जे. एम. पाटेकरी सहायक प्राध्यापक रेलपथ–1 थे । वरिष्ठ अनुदेशकों में श्री सुनील पोफले, श्री नितीन मेहता, श्री विनोद हिरवे एवं श्री सुधीर एड़के ने फैसिलिटेटर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

8. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम

1	25619	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (कार्य)	03 से 14 नवम्बर
2	25822	स्टील गर्डर का फैब्रिकेशन और लान्चिंग	03 से 08 नवम्बर
3	25857	टीएमएस, बीएमएस और यूडीएम	03 से 08 नवम्बर
4	25310	इरिसेन दिवस	06 से 08 नवम्बर
5	25104	समेकित	10 नवं. से 30 जन.,26
6	25434	कर्व, टर्नआउट और रेल वेल्डिंग	10 से 14 नवम्बर
7	25435	फार्मेशन कन्स्ट्रक्शन	10 से 14 नवम्बर
8	25620	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	10 से 28 नवम्बर
9	25858	आईआरडब्ल्यूसीएमएस और यूडीएम	10 से 15 नवम्बर
10	25237	वेबिनार : स्टील / स्टील कंपोजिट ब्रिज गर्डरों के लिए क्यूएपी पर नीति और दिशानिर्देश	11 नवम्बर
11	25241	वेबिनार : टेम्पिंग के 3 पॉइंट डिजाइन मोड और एएलसी का उपयोग	14 नवम्बर
12	25012	एमईएस इंजीनियरों के लिए पाठ्यक्रम	17 से 21 नवम्बर
13	25436	आरएसआई सहित एलडब्ल्यूआर	17 से 21 नवम्बर
14	25823	बिल्डिंग योजना, निर्माण और अनुरक्षण	17 से 21 नवम्बर
15	25909	रेलवे निर्माण परियोजना पर्यवेक्षण (सिविल) की बुनियाद पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	17 से 21 नवम्बर
16	25910	डीएफसीसीआईएल ग्रुप II फेज II के कार्यकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	17 नवं.से 13 फर.26
17	25242	वेबिनार : रेलों में एचएसएफजी बोल्टों के उपयोग	21 नवम्बर
18	25433	यूएसएफडी और रेल ग्राइंडिंग	24 से 28 नवम्बर
19	25437	अवपथन जांच	24 से 28 नवम्बर
20	25824	आधुनिक सर्वेक्षण और भूमि प्रबंधन	24 से 28 नवम्बर

21	25243	वेबिनार: रेल संरचना पारस्परिक क्रिया विश्लेषण	28 नवम्बर
22	25441	आईआरसीईपी पोर्टल पर सॉफ्टवेयरों का उपयोग	1 से 5 दिसम्बर
23	25621	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	1 से 19 दिसम्बर
24	25825	कर्व एण्ड पॉइंट एण्ड क्रॉसिंग	1 से 5 दिसम्बर
25	25311	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (आरएसपी) सेमिनार	4 से 5 दिसम्बर
26	25004	आईआरपीएफएस (पी.)–2023 के लिए अभिमूल्यन पाठ्यक्रम	8 से 19 दिसम्बर
27	25455	मिडास (स्टील एण्ड कंपोजिट गर्डरों का विश्लेषण और डिजाइन)	8 से 13 दिसम्बर
28	25826	पॉइंट एण्ड क्रॉसिं, यार्ड ले–आउट और यार्ड अनुरक्षण	8 से 12 दिसम्बर
29	25244	वेबिनार: मैकेनिकली स्टैबिलाइज्ड अर्थ वाल्स (आर.ई.वाल्स)	12 दिसम्बर
30	25827	जू.इंजी./सी.से.इंजी.(ड्राइंग) के लिए विशेष पाठ्यक्रम	15 से 26 दिसम्बर
31	25309	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) सेमिनार	18 से 19 दिसम्बर
32	25245	वेबिनार : पुल निरीक्षण और अनुरक्षण	19 दिसम्बर
33	25438	पॉइंट एवं क्रॉसिंग और यार्ड ले–आउट	22 से 27 दिसम्बर
34	25439	परियोजना प्रबंधन टूल्स और सॉफ्टवेयर	22 से 27 दिसम्बर
35	25622	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (यूएसएफडी)	22 से 27 दिसम्बर
36	25246	वेबिनार : कंक्रीट निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण	26 दिसम्बर
37	25440	कंक्रीट प्रौद्योगिकी और पीएससी निर्माण	29 दिसं.से 02 जन.26
38	25828	यंत्रीकृत अनुरक्षण और रेल ग्राइंडिंग	29 दिसं.से 02 जन.26
39	25829	अवपथन जांच	29 दिसं.से 02 जन.26
40	25247	वेबिनार: भूकंप प्रतिरोधी डिजाइनों के मूल सिद्धांत	30 दिसम्बर

9. स्वागत एवं विदाई



संस्थान में कार्यरत **श्री राजेश कुमार शेखावत संकाय अध्यक्ष** का स्थानांतरण प्रधान मुख्य इंजीनियर / पूर्व तटीय रेल के पद पर हुआ है। आप दिनांक 16 जुलाई 2025 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है एवं शुभकामनाएं देता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री दिपक नारायण काटे वरिष्ठ प्राध्यापक (कार्य)** का स्थानांतरण मुख्य इंजीनियर (पुल) / मध्य रेल के पद पर हुआ है। आप दिनांक 26 अगस्त, 2025 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है एवं शुभकामनाएं देता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री बी. के. कुशवाहा, वरिष्ठ प्राध्यापक (परियोजना)** की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 अगस्त, 2025 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री अनिल नायर, सहायक प्राध्यापक (वित्त एवं लेखा)** की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 अगस्त, 2025 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



श्री सलाहुद्दीन ए. मुजाहिद, महानिदेशक के निजी सचिव–I ने दिनांक 22, जुलाई, 2025 को इरिसेन पुणे कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मंडल रेल प्रबंधक मध्य रेल सोलापुर मंडल के निजी सचिव–I के पद पर तथा तत्पश्चात कार्यकारी अधिकारी हज समिति अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय मुंबई के निजी सचिव–I के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

10.समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र संख्या 25102

प्रथम



श्री रामप्रकाश पाण्डेय,
सहा. कार्य.इंजी./
डब्ल्यूएस./ हुब्बलि जं
/ दक्षिण पश्चिम रेल

द्वितीय



श्री बिस्वजीत दत्ता,
सहा.मं.इंजी. II/
तिनसुकिया/
उत्तर सीमांत रेल

तृतीय



श्री संतोष कुमार गुप्ता
सहा.मं.इंजी.(बीआरएल)/
सियालदह/
पूर्व रेल

व्यक्ति अपने विचारों के सिवाय कुछ नहीं है। वह जो सोचता है, वह बन जाता है। महात्मा गांधी

श्री अतुल देशपांडे, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ 2 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–I द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।